



Doon Public School

A New Generation Sr. Sec. School | Affiliated to CBSE

PANORAMA

SPECIAL MOTHER'S DAY NEWSLETTER 2024-25



Happy Mother's Day



"Capturing Joy: Making Memories on Mother's Day"

To the world you are a mother. To a family, you are the world.



Keeping this everlasting bond of emotion in mind, we celebrated Mother's Day that recognizes the essence of a mother, in high spirits and merriment.

Various activities were organized to make the day memorable and fun filled. The programme commenced with a welcome song. Moving Further, a poetry and art competition was conducted for the mothers wherein they passionately got involved in composing beautiful art and poetic verses.

Ms. Seeza Bhardwaj, the CEO and founder of Green Loom Skincare Brand briefed the audience about 'Good Parenting'. Mothers diligently grasped all the information and asked several questions to groom their parenting skills.

Various games were also played reflecting the energy and enthusiasm of everyone. Winners were bestowed with numerous prizes. Heart warming feelings filled the air with gratitude, appreciation and acknowledgement. All the mothers felt very special and valued.

The Director Principal, Dr. Sunita Anand presented a vote of thanks and extended her greetings to all the mothers as well as highlighted the pivotal role of a mother in shaping a child's life.

This being one of those occasions that none of us can afford to miss was zealously enjoyed by one and all.





Masterpieces of Motherhood: Celebrating Mother's Day Through Art



Ms. Isha Sardana
M/o Kanav Bajaj (II-B)



Ms. Barkha Dohiya
M/o Aadvik Chinia (III-A)



Ms. Deepika Aggarwal
M/o Aayansh Garg (Jr. Nur.)



Ms. Priyanka
M/o Anaya (LKG-B)



Ms. Neelam Lakhata
M/o Mayra (II-B)



Ms. Neelam Lakhata
M/o Mayra (II-B)



Ms. Sudesh
M/o Nidhish Mehra (V-A)



Ms. Shivali
M/o Namish Bhardwar (II-A)



Ms. Meena
M/o Sachit Kumar (VII-B)



Ms. Meenakshi
M/o Yuvaan (I-B)



"Heartfelt Verses: Poems by Mothers Celebrating Mother's Day"

उनके लिए हर मौसम बहार होता है
जिनके हिस्से में माँ का प्यार होता है

माँ

माँ पर जितना लिखें, वो काफी नहीं।
माँ ही है जो कभी कुछ जताती नहीं।
सबकुछ करती है, फिर भी कुछ बताती नहीं।
मेरे दिल के मेरी माँ की याद कभी जाती नहीं।
कैसा भी दिन मेरा, जब भी मैं घर जाती हूँ।
माँ के आँचल के लिपटकर, हर गम भूल जाती हूँ।

माँ को ही पूजूं तो, सब कुछ पा लूँ मैं।
तू ही मेरी अराधना, तू ही मेरी साधना।
तुम सा ही बनना मुझे ये है मेरी कामना।
आज जो मैं बड़ी हुई, मैं किसी के घर आई।
माँ तो वहाँ भी थी मगर, माँ मुझे तू बहुत याद
आई।

प्यार तो मुझे मिला बहुत, पर तेरी कमी भी थी
माई।

तब मैंने जाना कैसे बिना रूके सब करती थी।
कहती ना थी कुछ भी, बस सबके मन का करती
थी।

अपने मन का क्या ही करना, सबका मन बहलाना
है।

जो सबको पसंद हो, वही खाना पकाना है।
तुम्हारे बन की कौन पूछे, ये मेरा सवाल है।

क्या खुद ही जानना होगा मुझको,
क्यों ही मन में मलाल है।

आज जब मैं माँ बनी, तो माँ के दर्द को जाना
मैंने।

माँ की उस हँसी के पीछे के कारण को माना मैंने
गोद में लेकर उसको, तब आँखें भर आई मेरी।
माँ तो फिर माँ होती है, मेरी क्या और तेरी क्या,
माँ की ममता का अंत नहीं, वो बहार तेरी क्या और
मेरी क्या।

कहते हैं उसके हिस्से में, मौसम बहार होता है।
जिसके हिस्से में प्यार होता है।

पर मैं कहती हूँ, जिसके अंदर ममता होती है।

उसके लिए किसी बच्चे में फर्क नहीं।

ममता तो ममता होती है— पुरुष की क्या और स्त्री
की क्या।

ऊपर जिसका अंत नहीं, उसे आसमां कहते हैं,
इस जहाँ में जिसका अंत नहीं, उसे माँ कहते हैं।

माँ

बहुत याद आती है,
माँ तू बहुत याद आती है।
टूट जाते हैं, जब सन्न के बाँध तो,
आँखों के कोरों से बह जाती है
माँ तू बहुत याद आती है.....2

माँ जो कि एक औरत भी है

जिन्दगी की खुली किताब है औरत
ममता से लबालब गागर है औरत
सीखा है चलना जिसका दामन पकड़कर
बेसहारा का बनती सहारा है औरत
जिन्दगी की खुली किताब है औरत

बनती है माँ, फिर भी अभागन है औरत
है बेवा कहीं तो कहीं सुहागन है औरत
एक और तो कोई उठाता है डोली
देखें कहीं और तो कोई लगाता है बोली
जिन्दगी की खुली किताब है औरत
बनती है दुल्हन तो, कहीं लुटती है औरत
इंसा की नजरों में है ममता की मूरत
हैवान अगर देखे तो हवस का साधन है औरत
है नहीं फिर भी कहीं इसकी, विडम्बना का
विराम।

जिन्दगी की खुली किताब है औरत
ममता से लबालब गागर है औरत

Ms. Deepti Sharma
M/o Arnav Bhardwaj (II-B)



Ms. Preeti Bhagava
M/o Nishit Bhagava (VIII-C)





जिंदगी किसी नियमावली के साथ नहीं आती, यह एक माँ के साथ आती है

जो माँ जैसी देवी को मन के
मंदिर में नहीं रख सकते,
वो लाखों पुण्य कर लें,
इंसान नहीं बन सकते,
माँ जिसको भी फल दे
वो पौधा संदल जाता है,
माँ के चरणों को छू कर
पानी गंगाजल बन जाता है।
माँ के आँचल ने युगों-युगों से
भगवान को पाला है,
माँ के चरणों में गिरजाघर
और शिवाला है।
हिमगिरी जैसी ऊँचाई है
सागर जैसी गहराई है,
जितनी भी खुशबू है,
माँ के आँचल से आई है।
माँ कबिरा की साखी जैसी,
माँ तुलसी की चौपाई है।
मीराबाई की पदावली,
खुसरो की अमररुबाई है।
माँ आँगन की तुलसी जैसी
पावन बरगद की छाया है,
माँ वेद ऋचाओं की गरिमा,
माँ महाकाव्य की काया है।

माँ मानसरोवर ममता की,
माँ गौमुख की ऊँचाई है,
माँ परिवार का संगम है,
माँ रिश्तों की गहराई है।
माँ की उपमा केवल माँ है,
माँ हर घर की फूलवारी है।
सातों सुर नर्तन करते जब कोई,
माँ लोरी गाती है,
माँ जिसको भी रोटी देती है,
वो प्रसाद बन जाती है।
माँ हँसती है तो धरती का
जर्जर-जर्जर मुस्कराता है,
देखो दूर क्षितिज,
अम्बर शीश झुकाता है।
माँ सरस्वती, लक्ष्मी, दुर्गा
अनुसूया, मरियम, सीता है
माँ पावनता में रामचरितमानस,
भगवतगीता है।
मम्मा तेरी हर बात मुझे
वरदान से बढ़कर लगती है।
माँ तेरी सूरत मुझे
वरदान से बढ़कर लगती है।

Ms. Bhawna Sharma
M/o Daksh (I-C) & Kshitija (Nur.-B)



माँ की दुआ तो हर हाल में कबूल होती है,
माँ के रहते जन्त जर्मीन पे वसूल होती है।

फरिश्ते भी जिसकी चाहत पाने को तरसते हैं,
माँ वो अद्भुत अनोखा धरा का फूल होती है।
पूछ लेना ये बात सितारों से,
तुमसे ज्यादा कौन है चमकिला यहाँ।
खुशियों को बुला लाती है,
माँ अपनी आँख के एक इशारे से।
जग के घोर अंधेरे में रोशनी है माँ,
फीके-फीके पकवानों की चासनी है माँ
माँ अनमोल है माँ ममता की मूरत है
माँ एक सीरत है माँ प्यार है
माँ के जैसा प्यार कोई नहीं कर सकता है
वरना फूँक मारने के कौन सा घाव भरता है।

Ms. Priti Shukla
M/o Parijat Dwivedi (Jr. Nur.)





The Path to Effective Parenting: Reconnecting with Nature and Culture

As parents, we want to give the best to our children. However, we are often so disconnected from nature that, for us, the best is directly proportional to materialistic possessions. We frequently equate happiness and success with the accumulation of tangible goods, overlooking the invaluable lessons and joy that nature can provide.

We are always ready to teach our kids the right things and proper behaviour, but we often forget to work on ourselves. As adults, we live in a bubble of righteousness. Why do I say this? Because many of us struggle to manage our own time and schedules. We find it difficult to manage our emotions and behaviour. Kids are very perceptive. Believe me, they notice every action of yours. They learn primarily by observing, not just by listening. They might follow your instructions, but they learn what they see.

Good parenting is not about what we as parents have to do to our kids. Good parenting is about working on ourselves. Here are a few suggestions:

- **Meditation:** Practice it yourself, and this will encourage your kids to do the same.
- **Teach your child about our culture and traditions:** Be proud of them.
- **Screen time:** Screens are addictive, even for us. Make sure the kids do not eat food while watching mobile devices or TV. When I say this, please be smart in how you handle it.
- **Stop comparing your kids to other kids:** Even casually. If you wish your child to learn something from another child, you can say, "I really like what [child's name] is doing; we should try to do it too," or "Next time we do [task], let's try doing it how [child's name] does it."

Connecting your children back to nature and your culture is the best gift you can give them!

Ms. Seeza Bhardwaj
Founder, 'The Green Loom' Skincare
(Guest of Honour at the event)



Doon Public School

A New Generation Sr. Sec. School | Affiliated to CBSE
Sector-21, Panchkula

Buds & Blooms
KINDERGARTEN BLOCK

This newsletter & its contents belong to **Doon Public School**
Any unauthorized, copying, publishing circulation etc., may invite legal action. For
internal circulation on school website only.